647510 **BRS3HINF0312** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 3 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov - 2023 (OLD COURSE)
HINDI(FOUNDATION - 5)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न. १ "और वह जा न सकी" एकांकी की नायिका शारदा का चरित्र-चित्रण कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न. १ "पर्दे के पीछे" एकांकी की कथावस्तु लिखिए।

प्रश्न. २ "प्रतिशोध" एकांकी का नायक कवि भारवि के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। (१४)

अथवा

प्रश्न. २ "और वह जा न सकी" एकांकी के नायक श्रीधर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

प्रश्न. ३ निम्नांकित संदर्भो में से किन्हीं तीन संदर्भो की सविस्तार व्याख्या कीजिए । (१४)

1) जाईए-जाईए जरुर जाईए और घर जाकर पता लगाना कि आप के लाडले बेटे की रीढ की हड्डी है या नहीं ।
2) जीवन एक फेकटरी हैं, और स्त्री और पुरुष दोनों उसके पूर्जे, अगर फेक्टरी में मशीन बिगडता है तो पूर्जे बदल डालिए, अथवा स्वयं बदल जाय ।
3) मनुष्यों के लिए तो सब लोगों ने अस्पताल खोल ही रखा है। इन बेचारें मूंगे पशु-पक्षियों का क्या ?
4) आप मेरे घर आना चाहती है तो, शारदा से पूछना पडेगा, मैं कुछ नहीं हूँ शिलाजी, जो कुछ है शारदा है ।
5) प्रेम ही अनुशासन है, अनुशासन पर सब कुरबान ।

प्रश्न. ४ "रीढ की हड्डी" एकांकी में बाबू गोपाल प्रसाद का चरित्र-चित्रण कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न. ४ स्ट्राईक एकांकी में बताई गई दाम्पत्य जीवन की विषमता का चित्रण कीजिए ।

प्रश्न. ५ S.Y.B.R.S की हिन्दी और अंग्रेजी भाषा की किताबें मंगवाने के लिए राधाकृष्ण पब्लिकेशन को पत्र लिखे । (१४)

अथवा

प्रश्न. ५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषामें अनुवाद करें ।

महानगरों की यांत्रिक सभ्यता और संस्कृतिने हमारे पारिवारिक जीवन की बनी, बनाई व्यवस्था को तोड दिया है । महानगरीय दबाव के नीचे सारे मानवीय रिश्ते स्नेह, समर्पण, आदि मानवीय गुण खो जाते है । यहां तक की खून के रिश्ते तक में बदलाव आ जाता है । जिसके परिणाम स्वरुप हर व्यक्ति अपने आप को अकेला और फालतू महेसूस करने लगता है। पिता-पुत्र, पति-पत्नी, माँ, बेटी, पिता-पुत्री के रिश्ते व्यर्थ होकर भी बने रहते है । एक छत के नीचे रहते हुए भी वे एक दूसरे से कटे-कटे और अजनबी से बन जाते है । महानगरीय यांत्रिक सभ्यता के कारण अपने आपको लाखों करोडों की भीड में भी अकेला पाता हैं । अपने पारिवार में वह अपने आपको निरर्थक और फालतू महेसूस करता है । यहाँ तक कि- घर के फैंसले भी उनके हाथ में नहीं रहते ।

****